

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY LIBRARY PRESS CLIPPING SERVICE

पंजाब केसरी

DELHI

10 जुलाई, 2023 ▶ सोमवार RS

DATED

सांसद के उद्घाटन बोर्ड पर आप पार्षद ने लिखवाया अपना नाम, एमसीडी ने लिया एक्शन

बोर्ड पर पार्षद द्वारा लिखाए गए शब्दों को मिटाया

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): दिल्ली के रोहताश नगर वार्ड नंबर 223 में भाजपा सांसद मनोज तिवारी द्वारा पार्क व सेमी हाई मास्क के उद्घाटन के दौरान लगाए गए बोर्ड पर पुताई कर पार्षद का नाम लिखे जाने के मामले में एमसीडी ने एक्शन ले लिया है। एमसीडी ने आम आदमी पार्टी की पार्षद शिवानी पांचाल द्वारा लिखवाए गए बोर्ड की दोबारा से पुताई करा दी है। एमसीडी ने फिर से उद्घाटन बोर्ड पर सांसद मनोज तिवारी का नाम लिखवा दिया है। इसके साथ ही सख्त हिदायत दी है कि यदि कोई व्यक्ति उद्घाटन के दौरान लगाए गए बोर्ड के साथ छेड़छाड़ करता है तो उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जाएगी। बता दें कि पंजाब केसरी ने इस खबर को प्रमुखता से प्रकाशित किया था, जिसपर दिल्ली नगर निगम ने एक्शन लिया है। गौरतलब है कि, उत्तरी पूर्वी दिल्ली से लोकसभा



▶▶ बोर्ड पर किया गया पैट।

सांसद मनोज तिवारी ने रोहताश नगर वार्ड नंबर 223 में वर्ष 2021 लोनी रोड स्थित डीडीए के ग्राउंड पर अमर शाहीद चंद्रशेखर आजाद नामक पार्क का निर्माण कर उद्घाटन किया था। इस दौरान सांसद मनोज तिवारी द्वारा उद्घाटन किए जाने का बोर्ड लगाया गया था। इसी तरह वर्ष 2019 में भी सांसद मनोज तिवारी ने ओपन एयर जिम का उद्घाटन किया था। लेकिन निगम में सत्ता परिवर्तन होने के बाद

आम आदमी पार्टी की स्थानीय पार्षद शिवानी पांचाल ने दोनों ही बोर्डों की पुताई करा दी और उद्घाटन बोर्ड पर अपना नाम लिखवा दिया। बोर्ड में नाम का बदलाव किए जाने के बाद मनोज तिवारी सांसद प्रतिनिधि धर्मवीर सिंह ने शाहदरा थाना और दिल्ली नगर निगम के डीसी को पत्र लिखकर कार्रवाई करने की मांग की थी। शिकायत मिलने के बाद जहां एमसीडी ने बोर्ड की दोबारा से पुताई कर फिर से सांसद मनोज तिवारी का नाम उद्घाटन बोर्ड पर लिखवा दिया तो वहीं शाहदरा थाना के एसएचओ ने शिकायत मिलने के बाद कोई शिकायत नहीं मिलने की बात कही थी। जबकि हकीकत में केस दर्ज कर बकायदा आईओ की क्यूटी लगा दी गई थी। वहीं सांसद मनोज तिवारी के मीडिया एडवाइजर आनंद त्रिवेदी ने बताया कि मामले में दिल्ली नगर निगम ने एक्शन लिया है। एक बोर्ड पर पुताई करा दी है, जबकि दूसरे बोर्ड सांसद मनोज तिवारी के नाम साथ-साथ किए गए कार्य का पूरा विवरण लिखवा दिया है।

नई दिल्ली। सोमवार • 10 जुलाई • 2023

सहारा

नरेला तक मेट्रो नहीं आने से ठगा महसूस कर रहा दिल्ली देहात

नई दिल्ली (एसएनबी)। पंचायत संघ के प्रमुख थानसिंह ने कहा कि दिल्ली देहात का सबसे बड़ा बाजार कहे जाने वाले नरेला में आज तक मेट्रो नहीं आने से दिल्ली देहात ठगा सा महसूस कर रहा है। इसको लेकर रिठला बवाना नरेला मेट्रो रूट संघर्ष समिति व नरेला चेतना मंच ने रविवार को शासन व प्रशासन को जगाने के लिए मंगला चौक नरेला में सांकेतिक धरना दिया। पंचायत संघ ने कहा है कि दिल्ली देहात के साथ दोयम दर्जे का व्यवहार बर्दाश्त नहीं होगा।

इस अवसर पर पंचायत संघ प्रमुख थान सिंह यादव ने कहा कि दिल्ली के गांवों ने दिल्ली बसाने में अपना बलिदान दिया। दूसरी ओर गांवों की कमजोरी समझ शासन व प्रशासन दिल्ली देहात को नजरअंदाज कर रहा है, जो कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उत्तरी-पश्चिमी लोकसभा में आने वाले नरेला तक मेट्रो नहीं आने से इस क्षेत्र के विकास को बड़ा

झटका लगा है। इसमें बवाना, नरेला औद्योगिक क्षेत्र व डीडीए आवासीय कॉलोनी को भी नुकसान हो रहा है। मेट्रो रूट संघर्ष समिति के अध्यक्ष हंसराज बंसल व उपाध्यक्ष दयानंद कत्स ने कहा कि हम लम्बे समय से मांग करते आ रहे हैं कि हमारे ऐतिहासिक व दिल्ली देहात के सदर बाजार कहे जाने वाले नरेला तक मेट्रो लाई जाए, परंतु शासन खामोश है।

नरेला चेतना मंच के प्रधान मनोज बंसल ने कहा कि दिल्ली तक पहुंचने में हमें कई घंटे लग जाते हैं, क्योंकि अक्सर यातायात जाम रहता है। इसके कारण व्यापारी वर्ग परेशान हैं। उन्होंने कहा कि पंचायत संघ व रिठला बवाना नरेला मेट्रो रूट संघर्ष समिति जल्द ही मेट्रो व दिल्ली गांवों की 18 सूत्री मांगों को नरेला में महापंचायत करेगा। इसमें शासन व प्रशासन के खिलाफ आंदोलन की तैयारी पर रणनीति बनाई जाएगी।

गांवों को कमजोर समझकर शासन व प्रशासन कर रहा नजरअंदाज, बर्दाश्त नहीं की जाएगी अनदेखी : थानसिंह

Plan afoot to decongest Mukarba Chowk

LG OK's transfer of 1.20 acre to PWD for building underpass soon

STAFF REPORTER ■ NEW DELHI



In a bid to decongest the Outer Ring Road area near Mukarba Chowk, Delhi Lieutenant Governor Vinai Kumar Saxena has approved the transfer of 1.20 acres of land of Irrigation & Flood Control (I&FC) department on a permanent basis to the Public Works Department (PWD) for the construction of underpass near Mukarba Chowk including construction of approach road from Badli Junction to Haiderpur Metro Station in

North Delhi.

The proposal which has been pending since September of the previous year, will directly alleviate traffic congestion in the area, benefiting commuters and residents.

The I&FC Department measured the area based on the markings provided by the PWD, amounting to 4833.75 square meters or 1.20 acres. Currently, at the Mukarba Chowk junction and Haiderpur Metro station, traffic remains

heavy throughout the day as the section comes under the Outer Ring Road and on the Delhi-Haryana border, with vehicles from Delhi and nearby areas using the road in large numbers. With the construction of these underpasses, congestion will reduce. It will also facilitate a smooth commute for people travelling to and from Rohini, Wazirabad, Azadpur market and Transport Nagar. Following the LG's directions in the last meeting of

the Task Force to monitor the 77 corridors, the I&FC Department granted permission to commence work at the site in April 2023 after reviewing the alignment and layout plan for the service road submitted by the PWD. The land transfer will be conducted on a permanent basis and has been valued at Rs. 850.26 lakhs as per the revised rate set by the Delhi Development Authority (DDA) for the allotment of institutional land controlled by the Central Government/GNCTD for non-commercial purposes on a 'no profit no loss' basis for the financial year 2020-22.

The PWD had initially requested the permanent transfer of land on September 6, 2022, for the construction of the approach road leading to the underpass from the entry point of the flyover near Mukarba Chowk.

Subsequently, the PWD commenced work at the location in anticipation of a No Objection Certificate (NOC) from the I&FC Department. However, instead of resolving the matter through coordination, the I&FC Department lodged a police complaint on November 29, 2022, regarding unauthorized construction at the site. It is worth noting that the LG has repeatedly emphasized the importance of seamless inter-departmental coordination and advised officers against working in isolation.

This project falls under the initiative to decongest the 77 identified corridors in the National Capital, which is directly monitored by the Delhi LG. The construction work will be carried out in a manner that does not disrupt or disturb any utility services already present underground from other departments.

पंजाब केसरी

DELHI

8 जुलाई, 2023 ▶ शनिवार

एनजी ने दी सिंचाई व बाढ़ नियंत्रण विभाग की भूमि को हस्तांतरित करने को मंजूरी

मुकरबा चौक पर बनेगा अंडरपास जल्द खत्म होगी जाम की समस्या

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी) : हरियाणा, पंजाब और अन्य उत्तरी राज्यों से दिल्ली में आने वाले हजारों वाहनों को जल्द जाम से मुक्ति मिलेगी। इस रूट को जाम मुक्त करने के लिए मुकरबा चौक पर अंडरपास का निर्माण किया जाएगा।



वीके सक्सेना

अंडरपास का निर्माण जैक पुशिंग प्री-कास्ट आरसीसी बॉक्स से किया जाएगा। दरअसल, दिल्ली के उपराज्यपाल (एलजी) वीके सक्सेना ने शुक्रवार को मुकरबा चौक पर अंडरपास निर्माण के लिए लंबे समय से लंबित सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण विभाग की 1.2 एकड़ भूमि को लोक निर्माण विभाग को हस्तांतरित करने की मंजूरी दे दी है। इसमें उत्तरी दिल्ली में बादली जंक्शन से हैदरपुर मेट्रो

वैठक में उठा था मुद्दा... उपराज्यपाल की बैठक में विभिन्न विभागों के बीच संवाद और आपसी सामंजस्य में कमी का मुद्दा उठाया था। बैठक में लोक निर्माण विभाग ने जिम्मेदारी ली कि वह साइट पर अन्य विभागों द्वारा पहले से प्रदान की गई उपयोगिता सेवाओं से किसी तरह की कोई छेड़छाड़ नहीं करेगा।

850.26 लाख रुपए की होगी भूमि

स्थायी आधार पर हस्तांतरित की जाने वाली भूमि की कीमत डीडीए की संशोधित दर के आधार पर वित्तीय वर्ष 2020-22 में गैर-व्यावसायिक उद्देश्य के लिए केंद्र सरकार-दिल्ली सरकार द्वारा नियंत्रित, केंद्र सरकार के विभाग-संस्था के बीच संस्थागत भूमि आवंटन के लिए न लाभ न हानि आधार पर 850.26 लाख रुपए है।

स्टेशन तक एप्रोच रोड का निर्माण भी शामिल है। यह अंडरपास उपराज्यपाल के निगरानी में बनाए जा रहे 77 कॉरिडोर में से एक है। इसके बनने के बाद आउटर और इनर रिंग

दर्ज हुआ था मामला

इस भूमि को लेकर लोक निर्माण विभाग और सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग के बीच बना विवाद इतना बढ़ा कि मामला पुलिस तक पहुंच गया था। लोक निर्माण विभाग ने प्लाईओवर के प्रवेश बिंदु से अंडरपास तक एप्रोच रोड के निर्माण के लिए भूमि के स्थायी हस्तांतरण का अनुरोध किया था। लोक निर्माण विभाग ने एनओसी की प्रतीक्षा करते हुए उक्त स्थान पर काम शुरू कर दिया।

रोड पर जाम की समस्या दूर होगी। साथ ही हरियाणा, पंजाब और अन्य उत्तरी राज्यों से जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्गों पर यातायात को सुगम बनाएगा।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY LIBRARY PRESS CLIPPING SERVICE

millennium post

NEW DELHI | MONDAY, 10 JULY, 2023 APERS

Flood warning after Hry releases heavy water into Yamuna

OUR CORRESPONDENT

Closer Look

NEW DELHI: The Delhi government issued a flood warning on Sunday as Haryana released more than one lakh cusecs of water into the Yamuna river from the Hathnikund barrage.

The irrigation and flood control department said this was the first warning, with 1,05,453 cusecs of water discharged at 4 pm.

Normally, the flow rate at the barrage is 352 cusecs, but heavy rainfall in the catchment areas increases the discharge. The water from the barrage takes around two to three days to reach Delhi.

Authorities have been instructed to stay vigilant and take necessary action in vulnerable areas. Quick response teams have been deployed to raise awareness and warn the people living near the river embankments, according to the department.

The Delhi government has set up 16 control rooms, including a central control room, to monitor the flood-prone areas and the water level of the Yamuna.

According to the India Meteorological Department (IMD), Chandigarh and Ambala reported a record rainfall of 322.2 mm and 224.1 mm respectively. The Yamuna river system's catchment covers parts of Uttar Pradesh, Uttarakhand, Himachal Pradesh, Haryana, Rajasthan, Madhya Pradesh and

» The irrigation and flood control department said this was the first warning, with 1,05,453 cusecs of water discharged at 4 pm

» The Delhi government has set up 16 control rooms, including a central control room, to monitor the flood-prone areas and the water level of the Yamuna

» Authorities have been instructed to stay vigilant and take necessary action in vulnerable areas



Delhi. The low-lying areas near the river in Delhi are considered prone to flooding and are inhabited by around 37,000 people.

Encroachments on the river floodplain have occurred over the years, despite the land belonging to the Delhi Development Authority (DDA), revenue department and private individuals.

Last year, the river breached the danger mark twice in September.

the pioneer

NEW DELHI | MONDAY | JULY 10, 2023

Flood warning as Haryana releases water in Yamuna



STAFF REPORTER ■ NEW DELHI

The Delhi government issued a flood warning on Sunday after Haryana discharged more than one lakh cusecs of water into the Yamuna river from the Hathnikund Barrage in Yamunanagar.

"The first warning is being issued as 1,05,453 cusecs of water has been released into river Yamuna from Hathnikund barrage at 4 pm," the Irrigation and Flood Control department said in an order.

Normally, the flow rate at the barrage is 352 cusecs, but heavy rainfall in the catchment areas increases the discharge. The water from the barrage takes around two to three days to reach Delhi.

Authorities have been instructed to stay vigilant and take necessary action in vulnerable areas. Quick response teams have been deployed to raise awareness and warn the people living near the river embankments, according to the department.

The Delhi government has set up 16 control rooms, including a central control room, to monitor the flood-prone areas and the water level of the Yamuna. The Central Water Commission (CWC) warned that the water level in the Yamuna in Delhi is rising and is expected to surpass the danger mark of 205.33 metres on Tuesday. According to the

CWC's flood-monitoring portal, the water level in the Yamuna at the Old Railway Bridge stood at 203.18 metres at 1 pm on Sunday. The warning level is 204.5 metres.

The water level is likely to rise to 205.5 metres between 11 am and 1 pm on Tuesday, the CWC said in an advisory. Northwest India has seen incessant rainfall over the last two days, with many areas in Uttarakhand, Himachal Pradesh, Haryana, Uttar Pradesh and Rajasthan recording "heavy to very heavy" precipitation.

This has resulted in overflowing rivers, creeks and drains, which have damaged infrastructure and disrupted essential services in Jammu and Kashmir, Himachal Pradesh and Uttarakhand.

According to the India Meteorological Department (IMD), Chandigarh and Ambala reported a record rainfall of 322.2 mm and 224.1 mm respectively. The Yamuna river system's catchment covers parts of Uttar Pradesh, Uttarakhand, Himachal Pradesh, Haryana, Rajasthan, Madhya Pradesh and Delhi.

Encroachments on the river floodplain have occurred over the years, despite the land belonging to the Delhi Development Authority (DDA), revenue department and private individuals. Last year, the river breached the danger mark twice in September.

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY LIBRARY PRESS CLIPPING SERVICE

दैनिक जागरण नई दिल्ली, 8 जुलाई, 2023

दिल्ली के पार्क

जी 20 शिखर सम्मेलन के लिए सज रही दिल्ली में मानसून आने के साथ सावन मास में हरियाली राष्ट्रीय राजधानी की सुंदरता में चार चांद लगा रही है। अपनी प्रदूषित हवा के लिए बदनाम दिल्ली इन दिनों हरियाली की चादर ओढ़े नजर आने लगी है। असिता पूर्व, बांसेरा की हरियाली देख जहां दिल्ली वाले फूलों नहीं समा रहे थे कि अब दक्षिण दिल्ली में बन रहे इको पार्क ने इस अनुभूति के दायरे को और बड़ा कर दिया है। हरियाली के इसी अनुभव से रूबरू करा रहे हैं अजय राय :



बदरपुर स्थित इको पार्क में विकसित किया जा रहा है कमल का तालाब सभी फोटो : विपिन शर्मा

फूली नहीं समा रही हरी भरी दिल्ली



यमुना किनारे बने असिता पूर्व की बसावट और बांसेरा की सुंदरता आपको अपनी और बरबस खींच लेगी।

असिता पूर्व और बांसेरा से दिल्ली को जहां सांस मिल रही हैं, वहीं बदरपुर में चार फेज में तैयार हो रहे इको पार्क में राजधानी के फेफड़े बनने की ताकत होगी। तमाम कवायद के बीच इन पार्कों में जाने से जो सुखद अनुभूति होती है, इससे उम्मीद है कि राजधानी की फिजा बदली बदली नजर आएगी। सितंबर से जब जी 20 सम्मेलन के लिए आगतुक आने लगेंगे तो उन्हें भी इसका अहसास होगा। पर्यटन के तमाम स्थलों में ये पार्क भी आगंतुकों को सुकून के पल देंगे। यमुना नदी की सफाई का काम भी चल रहा है। फिलहाल दिल्ली में एक बड़े हिस्से में यमुना नदी के पारों को साफ और सुंदर बनाया गया है। वहीं, यमुना किनारे बने असिता पूर्व की बसावट और बांसेरा की सुंदरता मनमोहक है। दिल्ली वाले फुसंत के पल यहां बिताना पसंद करते हैं। हरियाली का दायरा बढ़ने के साथ दिल्ली के दिल में सांसें की रवानी भी बढ़ रही है। दिल्ली बदली बदली नजर आ रही है।

दिल्ली में बढ़ती हरियाली एक सतत प्रक्रिया के तहत है। इसके तहत तमाम सरकारों की पहल पर दिल्ली में साल दर साल जंगल का क्षेत्र बढ़ता रहा है। इससे दिल्ली के लोगों को पर्यावरणीय राहत मिली और इसके साथ ही हरियाली के बीच सुंदर पार्क भी तेजी से बढ़े। लोगों को राहत के साथ पिकनिक का ठिकाना भी मिला।

देश की राजधानी की सुंदरता बढ़ाने वाले इन पार्कों का समय के साथ स्वरूप बदला है। अब नए पार्क आक्सीजन का पावर हब बन गए हैं। इन पार्कों में ऐसे ईतजाम किए गए हैं कि आक्सीजन देने के साथ लोगों को अपनी और आकर्षित भी करें।

असिता पूर्व : उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने सात सितंबर, 2022 को उद्घाटन किया। यह पुराने लोहे के पुल से आइटिओ बैराज तक 197 हेक्टेयर में फैला है। इसका 90 हेक्टेयर हिस्सा

दिल्ली विकास प्राधिकरण व सात हेक्टेयर हिस्सा उत्तर प्रदेश सिंचाई विभाग के पास है। करीब पांच एकड़ में जलाशय तैयार किया गया है। यहां की लाइटें भी सौर ऊर्जा से जलती हैं।

पक्षियों का बना ठिकाना : यहां 90 प्रजातियों के पक्षियों का आना-जाना है। प्रवासी पक्षियों की बात करें तो इंडियन पैराडाइज फ्लाइकेचर, वर्डिटर फ्लाइकेचर, ग्रे हेडेड कैनरी फ्लाइकेचर अपना डेरा डालते हैं। वहीं, स्थानीय पक्षियों में स्पार्टबिल्ड डक, इंडियन मूरहेन और पर्पल स्वाम्फेन के लिए वातावरणीय माहौल है। यहां डहेलिया, बबूने, एलाइमस, नीलकूपी, कैलेडुला, हालिहाक, आपियम पापी फूल इस पार्क की माला है।

ये मिलेंगी सुविधाएं

- बैठने व आराम करने के लिए बेंच
- बच्चों के खेलने के लिए पार्क
- जैव शौचालय
- मल्टीपरपज एरिया
- पैदल मार्ग के लिए ट्रेक
- योग केंद्र

बदरपुर इको पार्क : दक्षिणी दिल्ली में 885 एकड़ में बन रहे इको पार्क में दिल्ली का फेफड़ा बनने की क्षमता है। इसका उद्घाटन 2024 में होना है। इस पार्क को चार फेज में तैयार किया जाएगा। परिसर में विभिन्न प्रजाति के पौधों को



जब कभी टीकेंड पर पर्यटन स्थलों पर जाने का मन करे तो सबसे पहले अपने आसपास विकसित हुए असिता पार्क में जरूर जाएं।



दक्षिण दिल्ली में विकसित किए जा रहे इको पार्क में योग केंद्र भी बना है। हरियाली की घनी चादर के बीच योग करने का अलग ही अनुभव ले सकते हैं दिल्ली।

असम के बांस का बांसेरा पार्क

यमुना नदी के बाढ़ के मैदानों की पारिस्थितिक विशिष्टता को बढ़ाने और इसे एक मनोरंजक और सांस्कृतिक स्थल के रूप में अधिक आकर्षक बनाने के उद्देश्य से उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने राजधानी के पहले बैबू (बांस) थीम पार्क 'बांसेरा' की नींव रखी थी। यहां पर असम से लाए गए 25,000 से अधिक विशेष किस्म के बांस के पौधे लगाए गए हैं। बांस लगभग 30 प्रतिशत अधिक

लगाकर लान और जंगल, औषधीय बगीचा किड्स जॉन आदि विकसित किया जा रहा है। लान व जंगल में शीशम, बांस, नीम, दाल मोठ, शहजन, चंपा, गुलमोहर इत्यादि समेत 40-50 प्रजातियों के पेड़-पौधे लगाए जाएंगे। योग और ध्यान केंद्र विकसित किए जाएंगे। यहां पानी के बीच में लोगों के बैठने व ध्यान करने की व्यवस्था विकसित की जा रही है। जोन आफ साइलेंस को भूतल से दो-तीन मीटर गहराई में विकसित किया जाएगा।

दूसरे फेज के अंतर्गत पार्क में 40 एकड़ की जमीन पर बोटिंग झील बनाई जाएगी। यहां भूलभुलैया, एम्प्रीथियेटर और यहां बैठने के

आवसीजन का उत्पादन करता है और बहुत कम पानी की खपत करता है, साथ ही मिट्टी को समृद्ध करता है। यह पार्क करीब 10 हेक्टेयर क्षेत्र में तैयार किया गया है। यहां बांस के पेड़ों के नीचे बैठने के स्थान के साथ ही एक बैबू कैफे बने हैं। एक जगह पर जुटने के लिए बड़े स्थानों को भी डिजाइन किया गया है, जिसमें बांस के झुरमुट एक घेरे की संरचना उपलब्ध कराते हैं। इसमें फियोस्क, हट, वाचटावर और कच्चे रास्ते के साथ-साथ ग्रीन वे मैजना के बैठने का स्थान शामिल है।

लिए फ्लावर पवेलियन और फारेस्ट पवेलियन विकसित किया जाएगा। हरियाली बढ़ाने के लिए 25 एकड़ से अधिक जमीन पर बांस के जंगल विकसित किए जाएंगे। इस जंगल में अलग-अलग प्रजातियों के बांस शामिल होंगे। तीसरे फेज में जंगल सफारी और चौथे फेज में पार्क की आठ किमी लंबाई वाली परिधि पर परिधीय जंगल विकसित किया जा रहा है। इको पार्क की पार्किंग में बिजली आपूर्ति के लिए एक मेगावाट क्षमता का सोलर प्लांट लगाया जाएगा। इससे यहां बिजली के लिए अतिरिक्त स्रोतों पर निर्भरता कम रहेगी और सोलर प्लांट से ही बिजली आपूर्ति होती रहेगी।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY LIBRARY PRESS CLIPPING SERVICE

दैनिक जागरण

नई दिल्ली, 8 जुलाई, 2023

दैनिक जागरण नई दिल्ली, 10 जुलाई, 2023

NAME OF NEWSPAPERS-----

DATE-----

ईडब्ल्यूएस की तुलना में एलआइजी फ्लैटों को अधिक तरजीह

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली: डीडीए की 'पहले आओ, पहले पाओ' आवासीय योजना के तहत लोगों की अच्छी प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। आलम यह है कि रोज औसतन लगभग एक हजार लोग इस योजना के तहत पंजीकरण करा रहे हैं। फ्लैटों की बुकिंग 10 जुलाई दोपहर 12 बजे के बाद होगी। योजना के तहत कुल 5,623 फ्लैटों के लिए पंजीकरण किया जा रहा है। इस आवासीय योजना के तहत नरेला में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के लिए 923 फ्लैट, लोकनायक पुरम, रोहिणी, सिरसपुर एवं नरेला में कुल 4,460 एलआइजी फ्लैट, नरेला और द्वारका में 199 एमआइजी फ्लैट, जबकि जसोला में 41 एचआइजी फ्लैटों के लिए पंजीकरण करने का अवसर मिल रहा है। डीडीए के वरिष्ठ अधिकारी के



डीडीए आवासीय योजना के तहत रोहिणी में बने फ्लैट • जागरण आर्काइव

अनुसार फ्लैटों को लेकर लोगों में उत्सुकता है। लोग डीडीए के काल सेंटर में भी फोन करके फ्लैट के बारे में जानकारी मांग रहे हैं। हर दिन 500 से अधिक काल आ रही हैं। लोग फ्लैट और उनकी श्रेणी, दोनों के बारे में जानकारी के मुताबिक रोहिणी, नरेला, सिरसपुर, लोकनायक पुरम में लोग लगातार फ्लैट देखने पहुंच रहे हैं। लोगों द्वारा ज्यादा प्राथमिकता एलआइजी फ्लैटों को दी जा रही है।

कहां कितने फ्लैट बने और कितनी है उनकी कीमत

एचआइजी फ्लैट: जसोला के पॉकेट 9बी में 41 तीन बेडरूम फ्लैट हैं। फ्लैट की कीमत 2.08 करोड़ से 2.18 करोड़ रुपये के बीच है।
एमआइजी फ्लैट: नरेला के ए1-4 के पॉकेट-1सी में 149 दो बेडरूम वाले फ्लैट हैं। इनकी कीमत एक करोड़ रुपये से ज्यादा है। द्वारका के 19बी के पॉकेट-3 में 50 दो बेडरूम फ्लैट हैं। इनकी कीमत 1.23 से 1.33 करोड़ रुपये है।
एलआइजी फ्लैट: नरेला के सेक्टर-जी-7 के पॉकेट-4 में एक बेडरूम वाले कुल 761 फ्लैट हैं। इनकी कीमत 23.19 लाख रुपये है। नरेला के सेक्टर-जी-8 के पॉकेट-3 में एक बेडरूम वाले कुल 1,224 फ्लैट हैं। यहाँ के फ्लैट की कीमत 13.69 लाख से 13.93 लाख रुपये के बीच है। नरेला के

सेक्टर-जी-2 के पॉकेट-2 में एक बेडरूम वाले कुल 505 फ्लैट हैं। इनकी कीमत 13.70 लाख से 13.93 लाख रुपये के बीच है। रोहिणी के सेक्टर-34 के पॉकेट-1,2,3 और 4 में एक बेडरूम वाले कुल 1,561 फ्लैट हैं। इनकी कीमत 14.1 से 14.24 लाख रुपये के बीच है। रोहिणी के सेक्टर-35 के पॉकेट-5 में एक बेडरूम वाले एलआइजी के कुल 188 फ्लैट हैं। इनकी कीमत 14.01 से 14.24 लाख रुपये के बीच है। सिरसपुर के पॉकेट-ए1 और सी2 में एक बेडरूम वाले कुल 126 फ्लैट हैं। इनकी कीमत 9.89 लाख रुपये है। लोकनायक पुरम के पॉकेट-ए में एक बेडरूम वाले कुल 140 फ्लैट हैं। इनकी कीमत 26.98 से 28.47 लाख रुपये है।

आज दोपहर 12 बजे से कर सकेंगे डीडीए फ्लैटों की बुकिंग

राज्य नई दिल्ली: डीडीए की 'पहले आओ, पहले पाओ' आवासीय योजना के फ्लैटों की बुकिंग सोमवार दोपहर 12 बजे से की जा सकेगी। ज्ञात हो कि डीडीए ने 30 जून को शाम पांच बजे से पंजीकरण प्रक्रिया शुरू की थी। अब तक लगभग छह हजार लोग पंजीकरण करा चुके हैं। डीडीए अधिकारियों के मुताबिक सोमवार दोपहर 12 बजे के बाद dda.org.in में eservices.dda.org.in में फ्लैट बुकिंग के लिए विंडो खुल जाएगी। इसमें ईडब्ल्यूएस, एलआइजी, एमआइजी और एचआइजी फ्लैटों के लिए लोगों को अपनी प्राथमिकता के अनुसार चयन करते हुए फ्लैट का चयन करना होगा। इसके बाद वेबसाइट विंडो में वह फ्लैट लाल रंग के निशान के साथ नजर आएगा। इसके तहत डीडीए द्वारा 15 मिनट के लिए फ्लैट को ब्लाक कर दिया जाएगा, ताकि कोई अन्य उसका चयन न कर सके। फ्लैट का चयन के बाद पेमेंट गेटवे खुलेगा। इसके तहत ईडब्ल्यूएस, एलआइजी, एमआइजी व एचआइजी फ्लैटों के अनुसार तय बुकिंग शुल्क जमा करना होगा। इसके लिए 15 मिनट का समय मिलेगा। इस दौरान बुकिंग शुल्क जमा न होने पर ब्लाक किए फ्लैट को डीडीए फिर से सभी के खोल देगा। ईडब्ल्यूएस के लिए बुकिंग राशि 50,000, एलआइजी फ्लैट के लिए एक लाख, एमआइजी फ्लैट के लिए चार लाख और एचआइजी फ्लैट के लिए 10 लाख रुपये है।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY LIBRARY PRESS CLIPPING SERVICE

SUNDAY TIMES OF INDIA, NEW DELHI
JULY 9, 2023

DATED _____

Woman Dies After Part Of Bldg Collapses

Quarter In Karol Bagh In Poor Condition Due To Litigation

Photos: PTI



TIMES NEWS NETWORK

New Delhi: A 55-year old woman died after rear portion of a barsati and a pillar collapsed on her in Tibiya college society in Karol Bagh on Saturday evening due to heavy rain. The quarter where the deceased resided was in a dilapidated condition due to ongoing litigation about these quarters between the college authorities and residents..

Sanjay Kumar Sain, Deputy Commissioner of Police, Central, said, "The deceased has been identified as Ranjit Kaur (58). First one portion of the quarter collapsed, when the victim went inside that portion to remove few articles, another part collapsed over her leading to her death". Cops are taking legal action under section 174 of the CrPC.

Police said the building where the incident took place was a double storey building with a barsati. The woman resided on the first floor along with her husband, the couple also have a son but currently it was just the couple staying at the quarters. Police officials investigating the case stated that first only the back side of Barsati collapsed. "In the last rainy season the back side pillars were damaged and a portion of had Barsati collapsed. The deceased was mentally unstable. When, she realised that the other pillar



Cops said the building where the incident took place was a double-storey structure with a barsati

of the Barsati was about to break she went inside to collect some clothes, bedsheets and got trapped in the rubble of the fallen portion of the back side of Barsati," an official privy to the investigation said.

Kaur's husband was earlier operating transport business and had 2-3 trucks. During Covid days their trucks were sold. As of now, the husband and wife were living on the money earned from their transport business.

Apart from this, Delhi Fire department received 15 calls with regard to house collapse and 30 people were rescued from DDD flats, tees Hazari court.

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY LIBRARY PRESS CLIPPING SERVICE

Hindustan Times

NEW DELHI
SUNDAY
JULY 09, 2023

DATED

सड़ें नवभारत टाइम्स | नई दिल्ली | 9 जुलाई

15 house collapse incidents in 24 hrs. amid heavy rain, one woman dead

HT Correspondent

letters@hindustantimes.com

NEW DELHI: A 58-year-old woman was crushed to death after a ceiling collapsed in Tibbiya College Society near Karol Bagh in central Delhi on Saturday evening amid heavy rains, police said.

The deceased was identified as Ranjit Kaur, said Sanjay Kumar Sain, deputy commissioner of police (central).

Delhi Fire Services (DFS) said that 15 calls were received at its control room with different people reporting portions of several buildings having collapsed across the Capital. "Fifteen house collapse calls, reporting incidents such as damage to portion of a house, roof or wall were

received between 1am and 6pm on Saturday. None of them were serious, except for one in which a person died. There was another incident in which 30 people were rescued near Tis Hazari," said Delhi Fire Services chief Atul Garg.

Fire officials said 30 people were rescued from Saraipur DDA flats, near Tis Hazari court after the portion of a building collapsed there at 4.42am on Saturday. "A fire tender was dispatched to the site immediately after a distress call was received. Thirty people trapped at the spot were rescued by fire officials," said a senior DFS officer asking not to be named.

Police said that a PCR call was received at Karol Bagh police station at 4pm reporting a ceiling

collapse at Tibbiya College Society, and a woman trapped under the debris. The police reached the spot, but the victim succumbed to her injuries by then. The police identified the victim as Ranjit Kaur, 58. "According to victim's family members, one portion of the quarter collapsed and Kaur went inside retrieve some personal belongings. Suddenly, another portion of the ceiling also came down, trapping Kaur," Sanjay Kumar Sain, deputy commissioner of police (central), said.

Police said that the portion of the building was in a dilapidated condition. "The victim is survived by her husband and son, who were present at the time of incident. Legal action in the case under section 174 (unnatural

death) of the Code of Criminal Procedure is being initiated," the officer added.

According to the fire department, it was an old building and the Delhi Fire Services (DFS) control room received information about the incident at around 3.47pm. "Two fire tenders were rushed, but before the rescue operations could be initiated, the woman was found dead under the debris," said a senior DFS officer. The officer added that reports of house collapse were also received from Alaknanda, Sadar Bazar, Kucha Patiram, Ambedkar Nagar and Lajpat Nagar part-1 areas. "Except the death at Tibbiya Colony Society on Desh Bandhu Gupta Marg, no other loss of life was reported from anywhere else," he said.

युवक की हत्या में नाबालिग समेत 4 पकड़े

■ विस, सफदरजंग एनक्लेव : पुलिस ने एक युवक की हत्या का केस सुलझाते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनकी पहचान अर्जुन नगर निवासी जेडी उर्फ जंदल, ग्रीन पार्क निवासी राहुल उर्फ बाबू और दिल्ली कैट निवासी वरुण के तौर पर हुई है। हत्या में एक नाबालिग को भी पकड़ा गया है।

पुलिस अफसर के मुताबिक 5 जुलाई को डीडिए पार्क, सफदरजंग एनक्लेव में एक शव पड़े होने की सूचना मिली थी। पुलिस को झाड़ियों में क्षत-विक्षत शव बरामद हुआ। काफी मशक्कत के बाद शव की पहचान सरोजिनी नगर निवासी दीपक के तौर पर हुई। जांच के दौरान पता चला कि दीपक अपने घर से 15-16 दिन से लापता था। माता-पिता ने पुलिस स्टेशन में कोई गुमशुदगी की रिपोर्ट भी दर्ज नहीं कराई थी, क्योंकि दीपक पहले भी अक्सर अपने दोस्तों के साथ कुछ दिनों के लिए बाहर जाता था। पुलिस ने 4 लोगों को पकड़ा। पूछताछ में पता चला कि दीपक छोटी-मोटी चोरियां करता था। उसे बेचकर अपना जेब खर्च चलाता था। कुछ दिन पहले उसका अपने अन्य दोस्तों के साथ कोटला मुबारकपुर में वरुण और जेडी के साथ झगड़ा हुआ था। इसी का बदला लेने के लिए दीपक को हत्या की गई।

हिन्दुस्तान

रविवार
9 जुलाई 2023

फ्लैटों के लिए कल से बुकिंग शुरू करेगा डीडिए

2 नई दिल्ली (व.सं)। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) की पहले आओ-पहले पाओ के चौथे चरण की आवासीय योजना के फ्लैटों की बुकिंग सोमवार दोपहर 12 बजे से करा सकेंगे। डीडिए ने 30 जून की शाम 5 बजे से पंजीकरण की प्रक्रिया शुरू की थी। अब तक 5,500 से ज्यादा लोगों ने

पंजीकरण करा लिया है। योजना के तहत नरेला में 923 ईडब्ल्यूएस फ्लैट, लोकनायक पुरम, रोहिणी, सिरसपुर और नरेला में कुल 4,460 एलआईजी फ्लैट, नरेला और द्वारका में 199 एमआईजी फ्लैट तथा जसोला में 41 एचआईजी फ्लैट के लिए लोग पंजीकरण कराने के बाद सोमवार से बुकिंग करा सकते हैं।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY LIBRARY PRESS CLIPPING SERVICE

नव भारत टाइम्स

10/07/2023

DDA की हाउसिंग स्कीम में आज से बुक करवाएं फ्लैट

■ विशेष संवाददाता, नई दिल्ली

डीडीए की चौथे फेज की 'फर्स्ट कम फर्स्ट सर्व' हाउसिंग स्कीम के तहत सोमवार दोपहर 12 बजे से फ्लैट की बुकिंग शुरू होगी। स्कीम के तहत करीब 5550 फ्लैट्स उतारे गए हैं। फ्लैट चुनने के बाद लोगों को पंद्रह मिनट में फ्लैट का बुकिंग अमाउंट ऑनलाइन जमा करवाना होगा। पूरा बुकिंग अमाउंट लोगों को एक ही ट्रांजैक्शन में जमा करवाना होगा। यह बुकिंग अमाउंट वापस नहीं किया जाएगा। एक बार में लोग एक ही फ्लैट बुक करवा सकेंगे। अगल-बगल के दो फ्लैट लेने के लिए लोगों को दो बार में बुकिंग करवानी होगी।

डीडीए से मिली जानकारी के अनुसार 12 बजे से लोग अपनी पसंद के फ्लैट्स बुक करवा सकेंगे। 6000 से अधिक लोग रजिस्ट्रेशन करवा चुके हैं। इस बार जिन लोगों के पास 67 स्ववापर मीटर या इससे छोटे घर हैं, वह भी स्कीम में अप्लाई कर सकते हैं। साथ ही स्कीम में दो या इससे अधिक फ्लैट्स भी बुक करवाए जा सकते हैं। अगल-बगल के दो फ्लैट को लेकर उन्हें मर्ज करने का ऑप्शन भी दिया गया है।

एक साथ दो फ्लैट की नहीं होगी बुकिंग

यदि आप अगल-बगल के दो फ्लैट्स बुक करवाने की तैयारी में है तो याद रखिए कि यह

15 मिनट में ही
बुकिंग अमाउंट

■ फ्लैट चुनने के बाद 15 मिनट में ऑनलाइन पे करना होगा फ्लैट का बुकिंग अमाउंट

■ एक बार में एक ही फ्लैट बुक करवा सकेंगे, बुकिंग के बाद अमाउंट वापस नहीं होगा

■ अगल-बगल के दो फ्लैट्स लेने के लिए लोगों को दो बार में बुकिंग करवानी होगी



इन डाक्युमेंट्स की जरूरत

दोनों फ्लैट आप एक साथ बुक नहीं करवा सकेंगे। पहले आपको एक फ्लैट के लिए बुकिंग प्रक्रिया पूरी करनी होगी। इसके बाद ही आप दूसरे फ्लैट को बुक करवा सकेंगे। ऐसे में यदि एक फ्लैट की बुकिंग प्रक्रिया पूरी करवाने के दौरान किसी अन्य ने आपके बगल वाले फ्लैट को बुक करवा लिया तो आप उक्त फ्लैट की बुकिंग से चूक सकते हैं।

■ आवेदक का पासपोर्ट साइज फोटो जेपीजी या पीएनजी फॉर्मेट में। फोटो का साइज 100 केबी से अधिक न हो
■ यदि जॉइंट आवेदक है तो दोनों की फोटो लगानी होगी। जॉइंट आवेदक का ब्लाड रिलेशन में होना जरूरी है
■ रेड स्टार वाले कॉलम को भरना जरूरी है

सबसे महंगे फ्लैट

इस स्कीम में सबसे महंगे फ्लैट्स जसोला सेक्टर-9बी के हैं। 3 BHK के यहां 41 फ्लैट्स हैं। इनकी कीमत 2 से 2.20 करोड़ के बीच है। इसके बाद महंगे फ्लैट्स की लिस्ट में द्वारका सेक्टर-19बी के 2 BHK फ्लैट्स आते हैं। इनकी कीमत करीब 1.23 करोड़ से 1.33 करोड़ के आसपास है। इसके बाद नरेला के सेक्टर ए 1-4 के 2 BHK फ्लैट्स की कीमत एक करोड़ के आसपास है।

फ्लैट	बुकिंग अमाउंट
1 BHK	50 हजार
1 BHK	एक लाख
2 BHK	चार लाख
3 BHK	10 लाख

फ्लैट बुक करवाने के बाद 30 दिन के अंदर पूरी पेमेंट कर दी जाती है तो कोई ब्याज नहीं लिया जाएगा। इसके बाद 60 दिनों तक 11 प्रतिशत सालाना की दर से ब्याज लिया जाएगा। यदि 90 दिन में ब्याज सहित रकम का भुगतान नहीं होता तो बुकिंग अमाउंट जब्त कर लिया जाएगा, आवंटन रद्द कर दिया जाएगा।

नवभारत टाइम्स । नई दिल्ली । सोमवार, 10 जुलाई 2023

अब रोहिणी में धंस गई सड़क

दिल्ली में हुई तेज बारिश के बाद रोहिणी इलाके में सड़क धंसने का मामला सामने आया। यहां सेक्टर 23-24 के डिवाइडर रोड के ट्रैफिक लाइट चौराहे के पास सड़क बीचों-बीच धंस गई। यहां सड़क करीब 20 फुट चौड़ा और 20 फुट गहरी खाई में तब्दील हो गयी। गनीमत यह रही कि इसमें कोई हताहत नहीं हुआ। जानकारी के अनुसार रविवार दोपहर 3 बजे के बाद बारिश के दौरान ही सड़क

धंसने का मामला सामने आया। इसके बाद स्थानीय लोगों ने इसकी जानकारी पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने आसपास बैरिकेडिंग कर ट्रैफिक को यहां से डायवर्ट कर दिया गया। हालांकि सड़क धंसने को लेकर के स्थानीय लोगों का दावा है कि सड़क के नीचे से सीवर लाइन जा रही है, जिसमें लीकेज थी। डीडीए की सड़क है। जो कि बेहद महत्वपूर्ण सड़कों में से एक है।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY LIBRARY PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF NEWSPAPER: दैनिक जागरण नई दिल्ली, 10 जुलाई, 2023 -DATED-----

आबादी की बेतरतीब बसावट ड्रेनेज सिस्टम के सुधार में बड़ी बाधा



रविवार की वर्षा से विकास मार्ग पर जलभराव में डूब गए बस स्टॉप में लगी सीट के ऊपर खड़े होकर बस का इंतजार करते यात्री • वंद प्रकाश मिश्र

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली: दिल्ली में दो दिन से अनेक स्थानों पर हो रहे जलभराव के चलते इसके समाधान की चर्चा एक बार फिर शुरू हो गई है। दिल्ली की जनता सोचने को मजबूर है कि क्या हालात ऐसे ही रहेंगे या फिर इस समस्या का कोई समाधान भी मौजूद है। विशेषज्ञों की मानें तो दिल्ली की बेतरतीब बसावट और भौगोलिक स्थिति ऐसी है कि यहां वर्षा झेलने की क्षमता पांच मिमी तक ही और बढ़ाई जा सकती है। दिल्ली के ड्रेनेज सिस्टम को अपग्रेड किया जाता है और सीवर को बरसाती नालों से अलग किया जाता है तो दिल्ली को जलभराव की समस्या से काफी हद तक बचाया जा सकता है।

विशेषज्ञों की मानें तो दो दिन से हो 100 मिमी से अधिक हो रही वर्षा

1957 में तैयार किया गया था दिल्ली का ड्रेनेज सिस्टम

दिल्ली का ड्रेनेज सिस्टम 1957 में तैयार किया गया था, जब यहां की आबादी महज 30 लाख थी। आज यह आबादी बढ़कर दो करोड़ से अधिक पहुंच गई है, जबकि ड्रेनेज सिस्टम अब भी वही है। ऐसे में दिल्ली के नाले यूं तो हमेशा ही ओवरफ्लो रहते हैं, लेकिन मानसून के दिनों में स्थिति और बिगड़ जाती है। अनधिकृत कालोनियों का सीवरेंज और यमुना खादर क्षेत्र में अतिक्रमण भी इस समस्या को बढ़ा रहा है।

जरूर अप्रत्याशित है, लेकिन दिल्ली के ड्रेनेज सिस्टम को भी बेहतर करने की जरूरत है। उनके अनुसार दिल्ली के ड्रेनेज सिस्टम को अपग्रेड कर मौजूदा 25 मिमी की जगह 30 मिमी तक क्षमता का किया जा सकता है। यानी एक घंटे में 30 मिमी तक वर्षा होती है तो ही इसे दिल्ली शहर झेल सकता है। डीडीए के पूर्व योजना आयुक्त एके जैन कहते हैं कि किसी

भी शहर का ड्रेनेज सिस्टम लगभग इतनी क्षमता का ही रहता है, लेकिन शहर की बसावट के समय इस व्यवस्था को इस तरह तैयार किया जाता है कि भविष्य में भी समस्या न हो। वह कहते हैं कि देश में भोपाल और हैदराबाद ऐसे शहर हैं, जहां का ड्रेनेज सिस्टम अच्छा माना जाता है और यहां जलभराव की समस्या इतनी नहीं है। भोपाल में झीलों को

इस तरह विकसित किया गया है कि वर्षा में शहर का पानी बगैर रुकावट के सीधे नालों से बहता हुआ झील में चला जाता है। जैन दिल्ली में भी इस तरह की व्यवस्था का सुझाव देते हैं।

लोक निर्माण विभाग के पूर्व प्रमुख अभियंता दिनेश कुमार का तर्क है कि जब तक दिल्ली में सीवर और बरसाती नालों को अलग नहीं किया जाएगा, जलभराव की समस्या को दूर कर पाना कठिन है। वह भी मानते हैं कि दिल्ली का ड्रेनेज सिस्टम अपग्रेड कर वर्तमान के 25 से बढ़ाकर 30 मिमी क्षमता का ही बनाया जा सकता है। वह कहते हैं कि दिल्ली को बसावट देश की राजधानी के हिसाब से तो बिल्कुल नहीं है। ऐसे में यहां इससे पांच मिमी से अधिक के सुधार की गुंजाइश नहीं है।